SAMPLE QUESTION PAPER - 5

SUBJECT- Hindi A (002)

CLASS IX (2023-24)

निर्धारित समय: 3 hours **अधिकतम अंक:** 80

सामान्य निर्देश:

1. इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं- खंड 'क' और ख'। खंड-क में वस्तुपरक/बहुविकल्पी और खंड-ख में वस्तुनिष्ठ/वर्णनात्मक प्रश्न दिए गए हैं।
2. प्रश्नपत्र के दोनों खंडों में प्रश्नों की संख्या 17 है और सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
3. यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए।
4. खंड 'क' में कुल 10 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 44 है। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए 40 उपप्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
5. खंड 'ख' में कुल 7 प्रश्न हैं, सभी प्रश्नों के साथ उनके विकल्प भी दिए गए हैं। निर्देशानुसार विकल्प का ध्यान रखते हुए सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खंड - अ (बहुविकल्पी प्रश्न)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

आज का विद्यार्थी भविष्य की सोच में कुछ अधिक ही लग गया है। भविष्य कैसा होगा, वह भविष्य में क्या बनेगा, इस प्रश्न को सुलझाने में या दिवास्वप्न देखने में वह बहुत समय नष्ट कर देता है। भविष्य के बारे में सोचिए, लेकिन भविष्य को वर्तमान पर हावी मत होने दीजिए क्योंकि वर्तमान ही भविष्य की नींव बन सकता है। अतः नींव को मजबूत बनाने के लिए आवश्यक है कि भान तो भविष्य का भी हो, लेकिन ध्यान वर्तमान पर रहे। आपकी सफलता का मूलमंत्र यही हो सकता है कि आप एक स्वप्न लें, सोचों, कि आपको क्या बनना है और क्या करना है और स्वप्न के अनुसार कार्य करना प्रारम्भ करें। वर्तमान रूपी नींव को मजबूत करें और यदि वर्तमान रूपी नींव सबल बनती गई, तो भविष्य का भवन भी अवश्य बन जायेगा। जितनी मेहनत हो सके, उतनी मेहनत करें और निराशा को जीवन में स्थान न दें। यह सोचते हुए समय खराब न करें कि अब मेरा क्या होगा, मैं सफल भी हो पाऊँगा या नहीं ? ऐसा करने में आपका समय नष्ट होगा और जो समय नष्ट करता है, तो समय उसे नष्ट कर देता है। वर्तमान में समय का सदुपयोग भविष्य के निर्माण में सदा सहायक होता है। भविष्य के बारे में अधिक सोच या अधिक चर्चा करने से चिंताएँ घेर लेती हैं। ये चिंताएँ वर्तमान के कर्म में बाधा उत्पन्न करती हैं। ये बाधाएँ हमारे उत्साह को, लगन को धीमा करती हैं और लक्ष्य हमसे दूर होता चला जाता है। निःसन्देह भविष्य के लिए योजनाएँ बनानी चाहिए, किन्तु वर्तमान को विस्मृत नहीं करना चाहिए। भविष्य की नींव बनाने में वर्तमान का परिश्रम भविष्य की योजनाओं से अधिक महत्वपूर्ण है।

(i) आज का विद्यार्थी अपना समय किन बातों में नष्ट कर देता है?

i. भविष्य की सोच में

ii. दिखावा करने में

iii. दिवास्वप्न देखने में
iv. यथार्थ में जीने में

क) कथन i व ii सही हैं | ख) कथन i, iii व iv सही हैं
ग) कथन i, ii व iii सही हैं | घ) कथन ii व iv सही हैं

(ii) हमारी सफलता का मूलमंत्र क्या हो सकता है?

क) स्वप्न देखकर लक्ष्य निर्धारित करना | ख) भविष्य की योजनाएँ बनाने में व्यस्त रहना
ग) केवल दिवास्वप्न देखते रहना | घ) वर्तमान को भुला देना

(iii) समय का हमारे जीवन में क्या महत्व बताया गया है?

क) इनमें से कोई नहीं | ख) भविष्य के निर्माण में सहायक
ग) वर्तमान के निर्माण में सहायक | घ) भूतकाल के कार्यों में सहायक

(iv) हम अंततः लक्ष्य से कैसे दूर होते जाते हैं?

क) वर्तमान से चिंतित होकर | ख) इनमें से कोई नहीं
ग) निराशापूर्ण स्थिति के कारण | घ) भविष्य के विषय में सोचकर, चिंतित होने से

(v) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए –
कथन (A): भविष्य की चिंताएँ वर्तमान के कर्म में बाधा उत्पन्न करती हैं।
कथन (R): वर्तमान का परिश्रम भविष्य में लक्ष्य प्राप्ति में सहायक होता है।

क) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं। | ख) कथन (A) सही है किन्तु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।
ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है। | घ) कथन (A) गलत है किन्तु कारण (R) सही है।

2. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

हिमालय के आँगन में उसे प्रथम किरणों का दे उपहार।।
उषा ने हँस अभिनंदन किया और पहनाया हीरक हार।
जगे हम, लगे जगाने विश्व लोक में फैला फिर आलोक,
व्योम-तम-पुंज हुआ तब नष्ट, अखिल संसृति हो उठी अशोक।
विमल वाणी ने वीणा ली कमल कोमल कर में सप्रीत।

सप्त स्वर सप्त सिंधु में उठे, छिड़ा तब मधुर साम-संगीत।
बचाकर बीज रूप से सृष्टि, नाव पर झेल प्रलय का शीत।
अरुण-केतन लेकर निज हाथ वरुण पथ में हम बढ़े अभीत।
-- जयशंकर प्रसाद

(i) निम्नलिखित में से कौनसा / कौनसे कथन सही हैं?

i. भारत देश हिमालय के आँगन के समान है।
ii. उषा प्रतिदिन भारत भूमि को सूर्य की किरणों का उपहार देती है।
iii. ओस की बूँदें भारत भूमि पर हीरों के हार के समान प्रतीत होती हैं।
iv. हिमालय भारत भूमि को किरणों का उपहार देता है।

क) कथन i व ii सही हैं — ख) कथन i, ii व iii सही हैं
ग) कथन i, iii व iv सही हैं — घ) कथन ii, iii व iv सही हैं

(ii) **विमल वाणी ने वीणा ली कमल कोमल कर में सप्रीत** में कौन-सा अलंकार है?

क) श्लेष अलंकार — ख) अनुप्रास अलंकार
ग) उपमा अलंकार — घ) यमक अलंकार

(iii) दुनिया में आलोक कब फैला?

क) जब देश में दिन निकला — ख) जब भारत में सूरज की पहली किरण आई
ग) जब भारत के मनीषियों ने ने विश्व को ज्ञान दिया — घ) जब भारत ने मनीषियों से ज्ञान सीखा

(iv) उषा किसका स्वागत करती है?

क) आकाश का — ख) वृक्षों का
ग) भारत भूमि का — घ) धरती का

(v) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए –
कथन (A): ज्ञान का उदय सर्वप्रथम भारत देश में हुआ था।
कथन (R): भारत ने अज्ञान रुपी अंधकार को समाप्त कर समग्र संसार को ज्ञान के परकाश से प्रकाशित किया।

क) कथन (A) सही है किन्तु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है। | ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

ग) कथन (A) गलत है किन्तु कारण (R) सही है। | घ) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

3. **निर्देशानुसार 'उपसर्ग और प्रत्यय' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-** **[4]**

(i) संज्ञा, सर्वनाम और विशेषण के अंत में लगाने वाले प्रत्यय को ________ कहते है। **[1]**

क) कृत | ख) तद्धित

ग) उपसर्ग | घ) कृदंत

(ii) 'रोमांचक' शब्द में से मूल शब्द और प्रत्यय अलग कीजिए। **[1]**

क) रोमान + अन्चक | ख) रोम + अनचक

ग) रोम + आंचक | घ) रोमांच + अक

(iii) **संपूर्ण** शब्द में किस उपसर्ग का प्रयोग हुआ है? **[1]**

क) सम् | ख) सं

ग) स्म | घ) सन्

(iv) **गमन** शब्द में विपरीतार्थक बनाने के लिए आप किस उपसर्ग का प्रयोग करेंगे? **[1]**

क) आ | ख) प्रति

ग) उप | घ) अनु

(v) **मरियल** शब्द में किस प्रत्यय का प्रयोग हुआ है? **[1]**

क) म | ख) इयल

ग) ल | घ) यल

4. **निर्देशानुसार 'समास' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-** **[4]**

(i) **आजन्म** कौन-सा समास है? **[1]**

क) कर्मधारय समास | ख) द्वन्द्व समास

ग) तत्पुरुष समास | घ) अव्ययीभाव समास

(ii) 'सात सौ दोहों का समूह' समास विग्रह का उचित समस्त पद और समास का नाम दिए गए विकल्पों में से चुनिए। [1]

क) सतसई - समस्त पद
द्विगु समास - समास का नाम

ख) सप्तसमूह - समस्त पद
बहुव्रीहि समास - समास का नाम

ग) सप्तपद - समस्त पद
कर्मधारय समास - समास का नाम

घ) सातसाईं - समस्त पद
द्वंद्व समास - समास का नाम

(iii) **प्रतिक्षण** समस्तपद कौन-से समास का उदाहरण है? [1]

क) अव्ययीभाव | ख) कर्मधारय

ग) बहुव्रीहि | घ) तत्पुरुष

(iv) **चक्रधर** शब्द में कौन-सा समास है? [1]

क) बहुव्रीहि | ख) कर्मधारय

ग) तत्पुरुष | घ) द्विगु

(v) **शरणागत** समस्त पद में कौन-सा समास है? [1]

क) तत्पुरुष | ख) बहुव्रीहि

ग) कर्मधारय | घ) द्विगु

5. **निर्देशानुसार 'अर्थ की दृष्टि से वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-** [4]

(i) वाक्य के किस प्रकार में प्रश्न पूछे जाने का बोध होता है? [1]

क) इच्छाबोधक वाक्य | ख) विधिवाचक वाक्य

ग) प्रश्नवाचक वाक्य | घ) संदेहसूचक वाक्य

(ii) अर्थ की दृष्टि से वाक्य भेद बताइए- [1]
डोली बहुत अच्छी लड़की है और मैं प्रार्थना करता हूँ कि उसे अच्छा लड़का मिले।

क) इच्छावाचक वाक्य | ख) आज्ञावाचक वाक्य

ग) विधानवाचक वाक्य | घ) संदेहवाचक वाक्य

(iii) अर्थ की दृष्टि से वाक्य भेद बताइए- [1]
वह जयपुर गया होगा।

क) आज्ञावाचक वाक्य ख) प्रश्नवाचक वाक्य

ग) संदेहवाचक वाक्य घ) विधानवाचक वाक्य

(iv) निम्नलिखित में से कौन-सा वाक्य का भेद अर्थ के आधार पर उचित **नहीं** है? [1]

क) निषेधवाचक ख) संयुक्तवाचक

ग) संदेहवाचक घ) संकेतवाचक

(v) अर्थ की दृष्टी से वाक्य भेद बताइए- [1]
भगवान् करे तुम्हें तुम्हारे बुरे कर्मों का फल जरूर मिले।

क) संदेहवाचक वाक्य ख) विधानवाचक वाक्य

ग) आज्ञावाचक वाक्य घ) इच्छावाचक वाक्य

6. **निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-** [4]

(i) **बहुरि बदन-बिधु अंचल ढाँकी।** इस में कौन-सा अलंकार है? [1]

क) अनुप्रास अलंकार ख) यमक अलंकार

ग) रूपक अलंकार घ) उपमा अलंकार

(ii) निम्नलिखित पंक्तियों में कौन-सा अलंकार है। [1]
वह तीन बेर खाती थी
वह तीन बेर खाती है

क) मानवीकरण ख) अनुप्रास

ग) रूपक घ) यमक

(iii) **पीपर पात सरिस मन डोला।** इस में कौन-सा अलंकार है? [1]

क) अनुप्रास अलंकार ख) रूपक अलंकार

ग) उपमा अलंकार घ) यमक अलंकार

(iv) निम्नलिखित पंक्ति में अलंकार बताइए- [1]
बहुरि बदन-बिधु अंचल ढाँकी।

क) रूपक अलंकार
ख) अनुप्रास अलंकार
ग) यमक अलंकार
घ) उपमा अलंकार

(v) निम्नलिखित पंक्ति में अलंकार बताइए- **[1]**
दुख है जीवन-तरु के मूल।

क) यमक अलंकार
ख) उपमा अलंकार
ग) रूपक अलंकार
घ) अनुप्रास अलंकार

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

झूरी की स्त्री ने बैलों को द्वार पर देखा, तो जल उठी। बोली-कैसे नमकहराम बैल हैं कि एक दिन वहाँ काम न किया; भाग खड़े हुए। झुरी अपने बैलों पर यह आक्षेप न सुन सका, नमकहराम क्यों हैं? चारा-दाना न दिया होगा, तो क्या करते? स्त्री ने रोब के साथ कहा-बस, तुम्हीं तो बैलों को खिलाना जानते हो, और तो सभी पानी पिला-पिलाकर रखते हैं। झूरी ने चिढ़ाया-चारा मिलता तो क्यों भागते?
स्त्री चिढ़ी-भागे इसलिए कि वे लोग तुम जैसे बुद्भुओं की तरह बैलों को सहलाते नहीं। खिलाते हैं, तो रगड़कर जोतते भी हैं। ये दोनों ठहरे कामचोर, भाग निकले। अब देखूँ कहाँ से खली और चोकर मिलता है। सूखे भूसे के सिवा कुछ न दूँगी, खाएँ चाहें मरें।

(i) झूरी की पत्नी ने बैलों के विषय में क्या कहा?

क) दोनों बैल बहुत कमजोर हो गए हैं
ख) दोनों बैल नमकहराम हैं, एक दिन भी काम न किया भाग आए
ग) दोनों बैलों को अब बेच दिया जाए
घ) दोनों बैल कितने अच्छे हैं, जो घर वापस आ गए

(ii) झूरी ने अपने बैलों का पक्ष क्यों लिया?

क) झूरी अपने बैलों से बहुत प्रेम करता था
ख) झूरी को विश्वास था कि बैलों को दाना-चारा नहीं मिला होगा
ग) सभी
घ) झूरी अपने बैलों के मेहनती स्वभाव को जानता था

(iii) झूरी की पत्नी झूरी की बात से क्यों चिढ़ गई?

क) क्योंकि झूरी ने उसके भाई पर बैलों को चारा न देने के बारे में कहा
ख) क्योंकि झूरी ने उसके भाई को बुरा-भला कहा

ग) क्योंकि झूरी ने उसके भाई को बैलों को देने से मना कर दिया

घ) क्योंकि बैलों ने झूरी की पत्नी के भाई को चोट पहुँचाई थी

(iv) झूरी की पत्नी के अनुसार बैल कैसे थे?

क) इनमें से कोई नहीं

ख) नमकहराम व कामचोर

ग) नमकहलाल व मेहनती

घ) सुंदर और आकर्षक

(v) झूरी की पत्नी के अनुसार झूरी बैलों के साथ कैसा व्यवहार करता था?

क) झूरी बैलों को अच्छे से खिलाता तथा प्यार से सहलाता था

ख) झूरी बैलों को अचे से खिलाता-पिलाता नहीं था

ग) झूरी बैलों के साथ शुष्क व्यवहार करता था

घ) झूरी बैलों को बहुत अधिक मारता-पीटता था

8. **गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए-** **[2]**

(i) सालिम अली की काया कैसी थी? **[1]**

क) मज़बूत

ख) पहलवानों जैसी

ग) सामान्य

घ) कमज़ोर

(ii) प्रेमचन्द के फटे जूते पाठ के सन्दर्भ में किस वाले जूते में छेद था? **[1]**

क) दोनों में

ख) किसी में नहीं

ग) बाएँ वाले में

घ) दाएँ वाले में

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

मोको कहाँ ढूँढे बंदे, मैं तो तेरे पास में।
ना मैं देवल ना मैं मसजिद, ना काबे कैलास में।
ना तो कौने क्रिया-कर्म में, नहीं योग बैराग में।
खोजी होय तो तुरते मिलिहौं, पल भर की तालास में।

(i) पद्यांश में किसे ढूँढने की बात हो रही है?

क) मस्जिद को

ख) देवता को

ग) कबीर को

घ) ईश्वर को

(ii) लोग ईश्वर को प्राय: कहाँ ढूँढते हैं?

क) अपने अंतर्मन में | ख) इनमें से कोई नहीं

ग) मंदिर, मस्जिद, काबा और कैलाश में | घ) अपने आसपास

(iii) ईश्वर को बाहर खोजना क्यों व्यर्थ है?

क) क्योंकि वह कैलाश पर निवास करता है | ख) क्योंकि वह मस्जिद में है

ग) क्योंकि वह मंदिर में निवास करता है | घ) क्योंकि ईश्वर सर्वव्यापी है

(iv) सच्चा साधक ईश्वर को कैसे खोज सकता है?

क) इनमें से कोई नहीं | ख) बाह्य आडंबरों के बिना

ग) बाह्य आडंबरों के बिना और सच्चाई का मार्ग अपनाते हुए दोनों | घ) सच्चाई का मार्ग अपनाते हुए

(v) **सब स्वाँसों की स्वाँस में** पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?

क) श्लेष | ख) उपमा

ग) अनुप्रास | घ) रूपक

10. **पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए-** **[2]**

(i) **ग्राम श्री** कविता के अनुसार अँधेरी रात्रि में तारे किस प्रकार दिखाई दे रहे हैं? **[1]**

क) जागरूक से | ख) स्वप्नों में खोए से

ग) स्निग्ध शांत से | घ) साँवले से

(ii) **बच्चे काम पर जा रहे हैं** काव्य के संदर्भ में बच्चों पर किसका बोझ नहीं डालना चाहिए? **[1]**

क) पढ़ाई करने का | ख) खेलने का

ग) खाना बनाने का | घ) रोजी-रोटी का

खंड - ब (वर्णनात्मक प्रश्न)

11. **गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए-** **[6]**

(i) उस समय के तिब्बत में हथियार का कानून न रहने के कारण यात्रियों को किस प्रकार का भय बना रहता था? **[2]**

(ii) प्रेमचंद के व्यक्तित्व को उभारने के लिए लेखक ने जिन विशेषणों का उपयोग किया है उनकी सूची बनाइए? **[2]**

(iii) महादेवी वर्मा ने मिशन स्कूल में जाना क्यों बंद कर दिया? **[2]**

(iv) आशय स्पष्ट कीजिए- जाने-अनजाने आज के माहौल में आपका चरित्र भी बदल रहा है और आप उत्पाद को समर्पित होते जा रहें हैं। **[2]**

12. **पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए-** **[6]**

(i) हिंदू-मुसलमाँ को एक-दूसरे को समान समझना चाहिए -कवयित्री इसके लिए क्या तर्क देती है? **[2]**

(ii) अपने शिक्षक और पुस्तकालय की सहायता से केदारनाथ सिंह की **बादल ओ**, सुमित्रानंदन पंत की **बादल** और निराला की **बादल-राग** कविताओं को खोजकर पढ़िए। **[2]**

(iii) भाव स्पष्ट कीजिए- मृदुल वैभव की रखवाली-सी, कोकिल बोलो तो! **[2]**

(iv) चौथे सवैये के अनुसार गोपियाँ अपने आप को क्यों विवश पाती हैं? **[2]**

13. **पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 -शब्दों में लिखिए-** **[8]**

(i) पशुओं और मनुष्यों के बीच भावात्मक संबंध है। कैसे? पाठ **इस जल प्रलय में** के आधार पर स्पष्ट कीजिए। **[4]**

(ii) व्यक्ति अपनी मृत्यु के निकट पहुँचने पर अपनी दबी हुई इच्छा को व्यक्त कर देता है। लेखिका **मृदुला गर्ग** की नानी के व्यवहार के आधार पर स्पष्ट कीजिए। **[4]**

(iii) **रीढ़ की हड्डी** एकांकी के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि हमारे देश में लिंग-अनुपात की समस्या का मूल कारण क्या है? **[4]**

14. **समय अमूल्य धन है** विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए। **[6]**

अथवा

आधुनिक जीवन में मोबाइल विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- वर्तमान समय में मोबाइल की महत्ता
- मोबाइल फोन द्वारा प्राप्त होने वाली सुविधाएँ
- मोबाइल फोन से होने वाले नुकसान

अथवा

जीवन संघर्ष का दूसरा नाम है विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।
संकेत बिंदु:
- जीवन और संघर्ष क्या है?
- संघर्ष : सफलता का मूलमंत्र
- असफलता से उत्पन्न निराशा और उत्कट जिजीविषा
- जीवन का मूलमंत्र

15. आपको चरित्र प्रमाण-पत्र की आवश्यकता है। चरित्र प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के लिए अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को प्रार्थना-पत्र लिखिए। **[5]**

अथवा

अपने विद्यालय के पुस्तकालय में आनेवाली पुस्तकों की जानकारी देते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए।

16. **गंगा नदी से हुई एक मुलाकात** विषय पर लगभग 100-120 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए। **[5]**

अथवा

आपका नाम शाश्वत/शाश्वती है। आपने ऑनलाइन खरीदारी में **मनोकाम** वेबसाइट से एक घड़ी मँगवाई थी। दो महीने में ही घड़ी ने काम करना बंद कर दिया। कंपनी के **ग्राहक सेवा** को लगभग 80 शब्दों में ई-मेल लिखकर शिकायत कीजिए और उचित मुआवज़े की माँग भी कीजिए।

17. दुनिया में भुखमरी और कुपोषण विषय पर अपने मित्र के साथ संवाद 50 शब्दों में लिखिए। **[4]**

अथवा

आप केन्द्रीय विद्यालय की सुचेता हैं। आप दसवीं कक्षा की छात्रा हैं। विद्यालय में आपका परीक्षा प्रवेश-पत्र खो गया है। विद्यालय सूचना-पट के लिए लगभग 50 शब्दों में एक सूचना लिखिए।

Answers

खंड - अ (बहुविकल्पी प्रश्न)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

आज का विद्यार्थी भविष्य की सोच में कुछ अधिक ही लग गया है। भविष्य कैसा होगा, वह भविष्य में क्या बनेगा, इस प्रश्न को सुलझाने में या दिवास्वप्न देखने में वह बहुत समय नष्ट कर देता है। भविष्य के बारे में सोचिए, लेकिन भविष्य को वर्तमान पर हावी मत होने दीजिए क्योंकि वर्तमान ही भविष्य की नींव बन सकता है। अतः नींव को मजबूत बनाने के लिए आवश्यक है कि भान तो भविष्य का भी हो, लेकिन ध्यान वर्तमान पर रहे। आपकी सफलता का मूलमंत्र यही हो सकता है कि आप एक स्वप्न लें, सोचों, कि आपको क्या बनना है और क्या करना है और स्वप्न के अनुसार कार्य करना प्रारम्भ करें। वर्तमान रूपी नींव को मजबूत करें और यदि वर्तमान रूपी नींव सबल बनती गई, तो भविष्य का भवन भी अवश्य बन जायेगा। जितनी मेहनत हो सके, उतनी मेहनत करें और निराशा को जीवन में स्थान न दें। यह सोचते हुए समय खराब न करें कि अब मेरा क्या होगा, मैं सफल भी हो पाऊँगा या नहीं ? ऐसा करने में आपका समय नष्ट होगा और जो समय नष्ट करता है, तो समय उसे नष्ट कर देता है। वर्तमान में समय का सदुपयोग भविष्य के निर्माण में सदा सहायक होता है। भविष्य के बारे में अधिक सोच या अधिक चर्चा करने से चिंताएँ घेर लेती हैं। ये चिंताएँ वर्तमान के कर्म में बाधा उत्पन्न करती हैं। ये बाधाएँ हमारे उत्साह को, लगन को धीमा करती हैं और लक्ष्य हमसे दूर होता चला जाता है। निःसन्देह भविष्य के लिए योजनाएँ बनानी चाहिए, किन्तु वर्तमान को विस्मृत नहीं करना चाहिए। भविष्य की नींव बनाने में वर्तमान का परिश्रम भविष्य की योजनाओं से अधिक महत्वपूर्ण है।

(i) **(ग)** कथन i, ii व iii सही हैं
व्याख्या: कथन i, ii व iii सही हैं

(ii) **(क)** स्वप्न देखकर लक्ष्य निर्धारित करना
व्याख्या: स्वप्न देखकर लक्ष्य निर्धारित करना

(iii) **(ख)** भविष्य के निर्माण में सहायक
व्याख्या: भविष्य के निर्माण में सहायक

(iv) **(क)** वर्तमान से चिंतित होकर
व्याख्या: वर्तमान से चिंतित होकर

(v) **(ग)** कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
व्याख्या: कथन (A) सही है किन्तु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

2. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

हिमालय के आँगन में उसे प्रथम किरणों का दे उपहार।।
उषा ने हँस अभिनंदन किया और पहनाया हीरक हार।
जगे हम, लगे जगाने विश्व लोक में फैला फिर आलोक,
व्योम-तम-पुंज हुआ तब नष्ट, अखिल संसृति हो उठी अशोक।
विमल वाणी ने वीणा ली कमल कोमल कर में सप्रीत।

सप्त स्वर सप्त सिंधु में उठे, छिड़ा तब मधुर साम-संगीत।
बचाकर बीज रूप से सृष्टि, नाव पर झेल प्रलय का शीत।
अरुण-केतन लेकर निज हाथ वरुण पथ में हम बढ़े अभीत।
-- जयशंकर प्रसाद

(i) **(ख)** कथन i, ii व iii सही हैं
व्याख्या: कथन i, ii व iii सही हैं

(ii) **(ख)** अनुप्रास अलंकार
व्याख्या: अनुप्रास अलंकार

(iii) **(ग)** जब भारत के मनीषियों ने ने विश्व को ज्ञान दिया
व्याख्या: जब भारत के मनीषियों ने ने विश्व को ज्ञान दिया

(iv) **(ग)** भारत भूमि का
व्याख्या: भारत भूमि का

(v) **(घ)** कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
व्याख्या: कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

3. निर्देशानुसार 'उपसर्ग और प्रत्यय' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(ख)** तद्धित
व्याख्या: तद्धित

(ii) **(घ)** रोमांच + अक
व्याख्या: 'रोमांचक' शब्द में 'रोमांच' मूल शब्द है और 'अक' प्रत्यय है।

(iii) **(क)** सम्
व्याख्या: सम् + पूर्ण

(iv) **(क)** आ
व्याख्या: 'आ' उपसर्ग लगा कर 'गमन ' शब्द को विपरीतार्थक आगमन बना सकते हैं।

(v) **(ख)** इयल
व्याख्या: मर + इयल

4. निर्देशानुसार 'समास' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(ग)** तत्पुरुष समास
व्याख्या: तत्पुरुष समास

(ii) **(क)** सतसई - समस्त पद
द्विगु समास - समास का नाम
व्याख्या: यहाँ पूर्व पद (सप्त) संख्यावाची विशेषण है इसलिए यहाँ द्विगु समास होगा।

(iii) **(क)** अव्ययीभाव
व्याख्या: अव्ययीभाव

(iv) **(क)** बहुव्रीहि
व्याख्या: बहुव्रीहि

(v) **(क)** तत्पुरुष

व्याख्या: तत्पुरुष

5. निर्देशानुसार 'अर्थ की दृष्टि से वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(ग)** प्रश्नवाचक वाक्य

व्याख्या: प्रश्नवाचक वाक्य में प्रश्न पूछे जाने का बोध होता है। इनमें प्रश्नवाचक चिन्ह (?) लगाए जाते हैं। उदाहरण:- तुम्हारा नाम क्या है?

(ii) **(क)** इच्छावाचक वाक्य

व्याख्या: इच्छावाचक वाक्य

(iii) **(घ)** विधानवाचक वाक्य

व्याख्या: विधानवाचक वाक्य

(iv) **(ख)** संयुक्तवाचक

व्याख्या: संयुक्तवाचक

(v) **(घ)** इच्छावाचक वाक्य

व्याख्या: इच्छावाचक वाक्य

6. निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(ग)** रूपक अलंकार

व्याख्या: रूपक अलंकार

(ii) **(घ)** यमक

व्याख्या: यमक अलंकार में एक शब्द बार-बार आता है, और हर बार अर्थ अलग होते हैं। यहाँ बेर शब्द दो बार प्रयुक्त हुआ और दोनों बार अर्थ अलग-अलग हैं। एक तीन बेर का अर्थ तीन बेर का फल है और दूसरे तीन बेर का अर्थ तीन बार है इसीलिए यहाँ यमक अलंकार है।

(iii) **(ग)** उपमा अलंकार

व्याख्या: उपमा अलंकार

(iv) **(क)** रूपक अलंकार

व्याख्या: रूपक अलंकार

(v) **(ग)** रूपक अलंकार

व्याख्या: रूपक अलंकार

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

झूरी की स्त्री ने बैलों को द्वार पर देखा, तो जल उठी। बोली-कैसे नमकहराम बैल हैं कि एक दिन वहाँ काम न किया; भाग खड़े हुए। झूरी अपने बैलों पर यह आक्षेप न सुन सका, नमकहराम क्यों हैं? चारा-दाना न दिया होगा, तो क्या करते? स्त्री ने रोब के साथ कहा-बस, तुम्हीं तो बैलों को खिलाना जानते हो, और तो सभी पानी पिला-पिलाकर रखते हैं। झूरी ने चिढ़ाया-चारा मिलता तो क्यों भागते?

स्त्री चिढ़ी-भागे इसलिए कि वे लोग तुम जैसे बुद्‌भुओं की तरह बैलों को सहलाते नहीं। खिलाते हैं,

तो रगड़कर जोतते भी हैं। ये दोनों ठहरे कामचोर, भाग निकले। अब देखूँ कहाँ से खली और चोकर मिलता है। सूखे भूसे के सिवा कुछ न दूँगी, खाएँ चाहें मरें।

(i) **(ख)** दोनों बैल नमकहराम हैं, एक दिन भी काम न किया भाग आए
व्याख्या: दोनों बैल नमकहराम हैं, एक दिन भी काम न किया भाग आए

(ii) **(ग)** सभी
व्याख्या: सभी

(iii) **(क)** क्योंकि झूरी ने उसके भाई पर बैलों को चारा न देने के बारे में कहा
व्याख्या: क्योंकि झूरी ने उसके भाई पर बैलों को चारा न देने के बारे में कहा

(iv) **(ख)** नमकहराम व कामचोर
व्याख्या: नमकहराम व कामचोर

(v) **(क)** झूरी बैलों को अच्छे से खिलाता तथा प्यार से सहलाता था
व्याख्या: झूरी बैलों को अच्छे से खिलाता तथा प्यार से सहलाता था

8. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए-

(i) **(घ)** कमज़ोर
व्याख्या: सालिम अली कमज़ोर काया वाले थे।

(ii) **(ग)** बाएँ वाले में
व्याख्या: बाएँ वाले में

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

मोको कहाँ ढूँढे बंदे, मैं तो तेरे पास में।
ना मैं देवल ना मैं मसजिद, ना काबे कैलास में।
ना तो कौने क्रिया-कर्म में, नहीं योग बैराग में।
खोजी होय तो तुरते मिलिहौं, पल भर की तालास में।

(i) **(घ)** ईश्वर को
व्याख्या: ईश्वर को

(ii) **(ग)** मंदिर, मस्जिद, काबा और कैलाश में
व्याख्या: मंदिर, मस्जिद, काबा और कैलाश में

(iii) **(घ)** क्योंकि ईश्वर सर्वव्यापी है
व्याख्या: क्योंकि ईश्वर सर्वव्यापी है

(iv) **(ग)** बाह्य आडंबरों के बिना और सच्चाई का मार्ग अपनाते हुए दोनों
व्याख्या: बाह्य आडंबरों के बिना और सच्चाई का मार्ग अपनाते हुए दोनों

(v) **(ग)** अनुप्रास
व्याख्या: अनुप्रास

10. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए-

(i) **(ख)** स्वप्नों में खोए से
व्याख्या: स्वप्नों में खोए से
(ii) **(घ)** रोजी-रोटी का
व्याख्या: बच्चे काम पर जा रहे हैं काव्य के संदर्भ में बच्चों पर रोजी-रोटी कमाने का बोझ नहीं डालना चाहिए, उनका बचपन सुख और विकास के लिए होता है न कि काम करने के लिए।

खंड - ब (वर्णनात्मक प्रश्न)

11. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए-
(i) उस समय तिब्बत में हथियार का कानून न होने के कारण यात्रियों को हमेशा अपने जान और माल का खतरा रहता था। वहाँ के लोग आत्मरक्षा के लिए लाठी के समान खुलेआम पिस्तौल और बंदूक लेकर घूमते रहते हैं। वहाँ अनेक निर्जन स्थान हैं, जहाँ डाकुओं का खतरा रहता है | डाकू पहले यात्रियों को मारते हैं फिर उसका सामान लूटते हैं | वहाँ की सरकार ख़ुफ़िया विभाग और पुलिस पर कम खर्चा करती है जिससे उन स्थानों पर पुलिस का भी प्रबंध नहीं होता है।
(ii) प्रेमचंद के व्यक्तित्व को उभारने वाले निम्न विशेषणों का प्रयोग इस पाठ में किया गया है जो निम्न प्रकार है-
i. उपन्यास सम्राट
ii. साहित्यिक पुरखे
iii. महान कथाकार
iv. युग प्रवर्तक
v. जनता के लेखक
(iii) महादेवी वर्मा ने बचपन में अपनी माँ के संपर्क से संस्कृत और पंचतंत्र पढ़ा। उनकी विशेष रूचि हिंदी और संस्कृत में थी। लेखिका को भी अपनी माँ के साथ पूजा-पाठ पर बैठकर संस्कृत सुनना अच्छा लगता था। लेखिका का जब मिशन स्कूल में दाखिला कराया गया तो वहाँ का वातावरण बिल्कुल भिन्न था। वहाँ अंग्रेजी में प्रार्थना होती थी, विद्यालय में ईसाई लड़कियां ज्यादा थीं । अतः वहाँ उनका मन नहीं लगा और उन्होंने स्कूल जाना बंद कर दिया।
(iv) उत्पाद का उत्पादन हमारे सुविधा के लिए हुआ था। अब उत्पाद धीरे-धीरे हम पर हावी होते जा रहे हैं। इससे हमारा चरित्र बदल रहा है। मानव संसाधनों के उपभोग को ही चरम सुख मान बैठे हैं। मानसिकता के बदलाव के चलते दिखावा भी बढ़ गया है। छोटे-छोटे कामों के लिए भी भारी-भरकम एवं महंगे उत्पादों पर निर्भर रहने लगे हैं।

12. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए-
(i) कवयित्री हिंदू और मुसलमानों को कहती है कि वे सांप्रदायिक विचारों को त्यागकर एक-दूसरे को समान समझें। इसके लिए वह तर्क देती है कि हिंदू और मुसलमान दोनों ही उसी एक ईश्वर की संतान है, फिर हिंदू-मुसलमान के आधार पर ऊँच-नीच या छोटे-बड़े की बात कहाँ से आ गई।
(ii) विद्यार्थी 'बादल ओ', 'बादल' और बादल राग कविताओं को स्वयं पढ़ें।

(iii) **भाव**- कोयल का स्वर अत्यंत मधुर और मृदुल होता है। उसका वैभव उसका स्वर है। प्राचीन समय में भारत की गणना वैभवशाली देशों में की जाती थी। इसे सोने की चिड़िया कहा जाता था। अंग्रेजों के अन्याय और अत्याचारपूर्ण शासन के बाद भी यहाँ का वह वैभव अभी भी शेष है। कोयल भी उसी मधुर वैभव की रखवाली करने वाली है। जेल के आसपास कोयल अपना मृदुल वैभव (मधुर स्वर) चिल्ला-चिल्लाकर क्यों लुटा रही है। कवि कोयल से इसका कारण जानना चाहते हैं।

(iv) चौथे सवैए के अनुसार-श्रीकृष्ण की मुरली की धुन अत्यंत मधुर तथा मादक है तथा उनका रूप अत्यंत सुंदर है। उनकी मुरली की मधुरता तथा उनके रूप सौंदर्य के प्रति गोपियाँ आसक्त हैं। वे इनके समक्ष स्वयं को विवश पाती हैं और कृष्ण की होकर रह जाती हैं।

13. पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 -शब्दों में लिखिए-

(i) पशु और मनुष्य दोनों जीव हैं और दोनों ही एक-दूसरे के सुख-दुख का अनुभव करते हैं। पाठ में वर्णित प्रसंग महानंदा नदी की बाढ़ से घिरे एक गाँव का है जिसमें कई बीमारों को नाव पर चढ़ाकर राहत कैंप तक ले जाना था। एक बीमार युवक के साथ उसका पालतू कुत्ता भी नाव पर चढ़ गया। यह देखकर नाव पर उपस्थित डॉक्टर तथा अन्य सदस्य डर गए। भयभीत डॉक्टर ने कुते को नाव से उतारने को कहा तो नौजवान ही पानी में उतर गया। नौजवान को पानी में उतरता देख कुत्ता भी पानी में कूद गया। वैसे कुत्ते की स्वामी भक्ति जगजाहिर है। वे अपने स्वामी के लिए प्राणोत्सर्ग भी कर देते हैं। उपर्युक्त प्रसंग से यह स्पष्ट होता है कि पशु और मानव भावात्मक रूप से एक-दूसरे से जुड़े होते हैं।

(ii) नानी ने जब स्वयं को मौत के निकट पाया, तब वह अपनी बेटी अर्थात् लेखिका की माँ की शादी के विषय में सोचकर व्याकुल हो उठीं और पर्दा त्यागकर अपने पति के एक मित्र स्वतंत्रता सेनानी प्यारेलाल शर्मा को बुलाया। उन्होंने उनसे कहा कि वे ही उनकी बेटी के लिए ऐसा वर तय करें, जो आज़ादी का सिपाही हो। इससे उनके अंदर छिपे आज़ादी के जुनून और आज़ाद खयालों का पता चलता है। सारी उम्र अपने ढंग से जीवन जीने वाली स्त्री, लेखिका की नानी के व्यवहार में आया यह परिवर्तन अप्रत्याशित था।

(iii) हमारे देश में लड़के-लड़की के बीच भेदभाव ही जनसंख्या में लिंग-अनुपात की समस्या का मूल कारण है। प्रस्तुत एकांकी में उमा के पिता के सामने शर्त रखी थी कि उन्हें अधिक पढ़ी-लिखी लड़की नहीं चाहिए और उमा के पिता ने भी उमा को कम पढ़ा-लिखा ही बताया अर्थात् लड़केवालों के समक्ष उमा की पढ़ाई-लिखाई को छिपा लिया। कहने का तात्पर्य यह है कि उन्होंने उमा को कम पढ़ी-लिखी बताकर घरेलू लड़की की संज्ञा प्रदान की, जबकि उमा एक पढ़ी-लिखी समझदार एवं स्वाभिमानी लड़की थी। उसे इस प्रकार के झूठ से घृणा थी। जो उसके घरवालों ने लड़केवालों से बोला। उसका मानना यह था कि लड़कियों को भी ऊँची शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार होना चाहिए। यह जरूरी नहीं कि पढ़ी-लिखी लड़की अच्छी गृहिणी सिद्ध नहीं हो सकती।

शंकर उमा को देखने आया है। वह कम पढ़ा-लिखा है साथ ही उसकी रीढ़ की हड्डी कमजोर है। वह पिता का आज्ञाकारी पुत्र होने के कारण उनकी पुरानी और गली-सड़ी परंपराओं और विचारों को मानता आ रहा है। उसमें आत्मविश्वास की कमी है। वह अपने पिता की भाँति

लड़कियों को केवल घर तक ही सीमित रखना चाहता है। कहने का तात्पर्य यह है कि 'शंकर' एक ऐसा लोभी लड़का है, जो अपने पिता की उँगली पकड़कर चलता है। इस एकांकी के माध्यम से इस ओर संकेत किया गया है कि लड़के और लड़की के बीच पनप चुकी इस असमानता की दृष्टि को दूर करके ही लिंग-अनुपात की समस्या से निपटा जा सकता है।

14. समय ऐसा चक्र है जो अनवरत चलता रहता है। जीवन भी निरन्तर आगे बढ़ने का नाम है। लक्ष्य की प्राप्ति समय से कदम मिलाकर ही संभव है। समय के बारे में कहा जाता है कि "जो समय को नष्ट करता है, समय उसे नष्ट कर देता है।"
जो समय व्यतीत हो गया वह लाख कोशिश करने पर भी वापस नहीं आता। समय अनमोल है, उचित समय पर उचित कार्य कर लेना चाहिए। जो आज का काम कल पर टालते हैं वह जीवन भर पछताते हैं। जो समय का सदुपयोग नहीं करते समय उनको नष्ट कर देता है। समय का सदुपयोग किया जाए तो समय मानव के लिए वरदान है। वह मनुष्य के लिए सफलता और खुशियों के द्वार खोल देता है। समय का दुरुपयोग मनुष्य को अवनति के गर्त में फेंक देता है, जहाँ से निकलना लगभग असंभव होता है।
समय वह चक्र है जो कभी नहीं रुकता। जिसे उससे लाभ उठाना है, उसे समय की पूर्व में ही तैयारी कर लेनी चाहिए। जो समय का सम्मान करते हैं समय उनको सम्मान देता है।
जो राष्ट्र समय का सम्मान करना जानता है वह शक्तिशाली बन जाता है। जो विद्यार्थी समय से पढ़ाई पूरी कर लेता है वही परीक्षा में प्रथम आता है। जीवन में लक्ष्य की प्राप्ति समय पर किए गए कार्य के द्वारा ही प्राप्त की जा सकती है। सृष्टि का चक्र समयानुसार ही चलता है। आदि काल में महापुरुषों ने समय की महत्ता को समझकर उसकी उपयोगिता के उपदेश दिए हैं।

अथवा

मोबाइल आज विश्व में क्रांति का वाहक बन गया है। बिना तारों वाला मोबाइल फ़ोन जगह-जगह लगे ऊँचे टॉवरों से तरंगों को ग्रहण करते हुए मनुष्य को दुनिया के प्रत्येक कोने से जोड़े रहता है। मोबाइल फ़ोन सेवा प्रदान करने के लिए विभिन्न टेलीफ़ोन कंपनियाँ अपनी-अपनी सेवाएँ देती हैं। मोबाइल फ़ोन बात करने, एसएमएस की सुविधा प्रदान करने के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के खेल, कैलकुलेटर, फ़ोनबुक की सुविधा, समाचार, चुटकुले, इंटरनेट सेवा आदि भी उपलब्ध कराता है। अनेक मोबाइल फोनों में इंटरनेट की सुविधा भी होती है, जिससे ई-मेल भी किया जा सकता है। मोबाइल फोन सुविधाजनक होने के साथ ही नुकसानदायक भी है। मोबाइल फ़ोन का सबसे बड़ा दोष यह है कि यह समय-असमय बजता ही रहता है। लोग सुरक्षा और शिष्टाचार भूल जाते हैं। अकसर लोग गाड़ी चलाते समय भी फ़ोन पर बात करते हैं, जो असुरक्षित ही नहीं, बल्कि कानूनन अपराध भी है। अपराधी एवं असामाजिक तत्त्व मोबाइल का गलत प्रयोग अनेक प्रकार के अवांछित कार्यों में करते हैं। इसके अधिक प्रयोग से कानों में हृदय पर बुरा प्रभाव पड़ता है। अतः इन खतरों से सावधान होना आवश्यक है।

अथवा

जीवन संघर्ष का दूसरा नाम है

जीवन "संघर्ष" का दूसरा नाम है।
संन्यास संघर्ष से भागने का नाम है।

जिंदा मनुष्य बनकर जीना चाहते हो तो
संघर्षों में जीना सीखना ही होगा।

जन्म से मृत्यु तक की यह कालावधि जीवन कहलाती है। संघर्ष जीवन में चीज़ों को प्राप्त करने के लिए प्रतिकार है। यह हमें उत्साह और साहस प्रदान करता है। जीवन संघर्ष, व्यक्ति के जीवन में आने वाली चुनौतियों और परिस्थितियों का सामना करने का प्रकार है। इसमें यथार्थता, संघर्षी भावना, समर्थन, और जीवन के मौलिक मूल्यों के प्रति समर्पण शामिल होता है। यह असफलता से सीखने और पुनः प्रयास करने को प्रेरित करता है, साथ ही सफलता की खुशियों को भी स्वीकारता है। जीवन संघर्ष व्यक्ति को सामर्थ्यवान बनाता है और उसे उन्नति और समृद्धि के मार्ग पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। इससे व्यक्ति का अनुभव, समझदारी, और धैर्य का विकास होता है, जिससे उसे जीवन की हर मुश्किलात से निपटने की क्षमता मिलती है। जीवन संघर्ष हमें अपनी हढ़ता और निर्णायक योजनाओं से परिचित कराता है जिससे हम अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं और सामाजिक समृद्धि और संतुष्टि के साथ जीवन का आनंद उठा सकते हैं।

15. प्रधानाचार्य महोदय,
राजकीय सर्वोदय विद्यालय,
पालम, नई दिल्ली।
01 मार्च, 2019

विषय- चरित्र प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के संबंध में

महोदय,
विनम्र निवेदन यह है कि मैं आपके विद्यालय की नौवीं 'अ' की छात्रा हूँ। मैंने फरवरी 2019 में एक छात्रवृत्ति परीक्षा दी थी, जिसमें मुझे सफल घोषित किया गया है। इसमें अन्य आवश्यक प्रमाण-पत्रों के साथ चरित्र प्रमाण-पत्र भी माँगा गया है। मैंने गत वर्ष अपनी कक्षा में दूसरा स्थान प्राप्त किया था। इसके अलावा वाद-विवाद में जोनल स्तर पर प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया था। मैं गरीब परिवार से हूँ। पिता जी किसी तरह से मेरी पढ़ाई का खर्च वहन कर रहे हैं। यह छात्रवृत्ति मिलने से मेरी पढ़ाई का खर्च सुगमता से पूरा हो जाएगा।
आपसे प्रार्थना है कि मेरे भविष्य को ध्यान में रखते हुए मुझे चरित्र प्रमाण-पत्र प्रदान करने की कृपा करें। मैं आपकी आभारी रहूँगी।
धन्यवाद सहित।
आपकी आज्ञाकारिणी शिष्या,
प्रियंका सिंह,
कक्षा - IX अ,
अनु. - 25

अथवा

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
27 फरवरी, 2019
प्रिय मित्र गौरव,
सप्रेम नमस्कार।
कल ही तुम्हारा पत्र मिला। पढ़कर बड़ी खुशी हुई कि तुम सपरिवार सानंद हो। तुमने इस पत्र में

मेरे विद्यालय के पुस्तकालय में आने वाले विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं के बारे में जानना चाहा था, इस पत्र में मैं उसी के बारे में लिख रहा हूँ।
मित्र, मेरे विद्यालय में शिक्षण-व्यवस्था बहुत अच्छी है। यहाँ की अन्य पाठ्येतर क्रियाओं की व्यवस्था तथा पुस्तकालय का कहना ही क्या। यहाँ पर अन्य भाषाओं के साथ-साथ हिंदी की अनेक पत्र-पत्रिकाएँ मँगाई जाती हैं। इनमें चंदामामा, चंपक, नंदन, सुमन सौरभ, लोट-पोट आदि प्रमुख हैं। ये पत्रिकाएँ हम छात्रों को पुस्तकालय के पीरियड में पढ़ने को तो मिलती हैं, साथ ही अनेक शिक्षाप्रद पुस्तकें घर पर पढ़ने के लिए भी दी जाती हैं। पुस्तकालयाध्यक्ष छात्रों को पुस्तकें देने के लिए कभी मना नहीं करते हैं। वास्तव में मेरा पुस्तकालय और विद्यालय दोनों ही बहुत अच्छे हैं।
पत्रोत्तर में तुम भी अपने पुस्तकालय के बारे में लिखना।
पूज्य चाचा एवं चाची को मेरा प्रणाम कहना। शेष सब ठीक है। पत्रोत्तर शीघ्र देना।
तुम्हारा अभिन्न मित्र,
रहीम

16. **गंगा नदी से हुई एक मुलाकात**

काशी में गंगा के किनारे बैठी राधिका के हाथों में एक समाचार पत्र था जिसमें प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का इंटरव्यू छपा था जिसमें गंगा नदी में व्याप्त गन्दगी के प्रति उन्होंने अपनी चिन्ता अभिव्यक्त की थी। प्रधानमंत्री जी के शब्दों में राधिका को गंगा बोलती नजर आ ही थी जो अपनी व्यथा बता रही थी कि किस प्रकार लोग उसे दूषित कर रहे हैं, उसमें प्लास्टिक, रसायन और न जाने कैसे-कैसें अपदार्थ फेंक रहे हैं।
अपने पूर्व के दिनों को याद करती गंगा कहती है कि भगीरथ के द्वारा की गई तपस्या के उपरान्त ब्रह्मा के कमण्डल से उत्पन्न शिव की जटाओं का आश्रय लेती हुई इस धरती पर उनका आगमन हुआ था। सैंकड़ों वर्षों से भारत की धरती को पवित्र करने वाली गंगा आज स्वयं को शुद्ध करने के लिए हम मनुष्यों का मुख देख रही है।
अचानक राधिका को महसूस हुआ कि गंगा की आँखों से झरझर आँसू गिर रहे हैं और वह हाथ जोड़कर अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए गुहार कर रही है। राधिका को सब कुछ धूमिल-धूमिल सा लग रहा था, उसने गंगा जल को स्पर्श किया और मन ही मन कुछ निर्णय लेकर घर को ओर चल दी क्योंकि कल से उसे कुछ नया करना था।

अथवा

विषय: घड़ी की समस्या और मुआवज़ा की माँग
मनोकाम वेबसाइट ग्राहक सेवा,
नमस्ते। मैंने आपके मनोकाम वेबसाइट से एक घड़ी खरीदी थी (आर्डर नंबर: [8897452536]) जिसने अपनी काम करने की क्षमता खो दी है सिर्फ़ दो महीने में। मैं इस विचार में हूँ कि आपकी कंपनी उचित मुआवज़े की प्रक्रिया आरम्भ करे, क्योंकि मैंने उम्मीद की थी कि यह उत्कृष्ट गुणवत्ता की घड़ी होगी जो दीर्घकालिक उपयोग के लिए बनाई गई है। कृपया जल्द से जल्द मेरी शिकायत का समाधान करने का प्रयास करें और मुआवज़े की प्रक्रिया शुरू करें।
आपके समय और समर्थन के लिए धन्यवाद।
शाश्वत/शाश्वती
[7888XXXXXX]
shashvti78@gmail.com

17. **राहुल** - आओ मोहित, बैठो। तुम्हें पता है हमारे देश में भुखमरी और कुपोषण बच्चों का बचपन छीन रहा है।

मोहित - राहुल अपना देश ही क्या दुनिया में बहुत से ऐसे देश है, खासकर, अफ्रीकी देश जो इस समस्या का सामना कर रहे हैं।

राहुल - हाँ! हमारे देश के भी कई प्रदेशों में यह समस्या है। हाँ! कहीं-कहीं धनाभाव के कारण दो वक्त का खाना नसीब नहीं है और कहीं प्राकृतिक आपदाओं में सब नष्ट हो गया है इसलिए खाना नसीब नहीं है।

मोहित - बिलकुल ठीक कह रहे हो राहुल, भुखमरी ही कुपोषण का कारण है। कहीं-कहीं पैदावार को अत्यधिक खादों एवं कीटनाशकों से जहरीला बनाकर कुपोषण की ओर ढकेल रहे हैं। अतः सारी दुनिया को जागरूक होकर अब भुखमरी व कुपोषण के खिलाफ जागरूक होना ही होगा।

अथवा

केंद्रीय विद्यालय दिल्ली कैंट, दिल्ली
सूचना परीक्षा प्रवेश-पत्र खो जाने हेतु मैं सुचेता सिंह कक्षा दसवीं 'अ' कक्षा की छात्रा आप सभी को यह सूचित करती हूँ कि मेरी दसवीं कक्षा का प्रवेश-पत्र आज सुबह ही कक्षा में कहीं खो गया है। आप सभी से यह निवेदन है कि जिस किसी को यह पत्र मिले वह कृपया मुझे नीचे दिए गए फोन नंबर पर तत्काल सूचित करें। फोन नंबर - 992211XXXX सुचेता सिंह कक्षा - दसवीं 'अ'